कवि दिवस

03/8/2026

आज दिनांक 03/8/2026 को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी के जन्म दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग में उनके जन्म दिवस के रूप में मान्य 'कवि-दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर गुप्त जी के जीवन-परिचय, उनकी कृतियाँ जैसे - साकेत, भारत-भारती, यशोधरा, पंचवटी, जयद्रथ-वध आदि पर छात्रों ने वक्तव्य प्रस्तुत किया।

उपस्थिति —

(1)	आरथी	[signature]
(2)	ताराचंद	[signature]
(3)	प्रमोद वारे	[signature]
(4)	मोलिकमल	Mania
(5)	निखिल दास महंत	Nikhil
(6)	प्रियंका श्रीवास	Priyanka
(7)	कुसुम पटेल	Kusum
(8)	रागिनी सिरहे	रागिनी सिरहे
(9)	जमुना पटेल	Jamuna
(10)	भारती साहू	Sahu
(11)	रीना साहू	Reena
(12)	आरती बरेठ	Aarti bareth

मंच संचालन - आरथी राठिया
स्वागत गीत - भारती, कुसुम, जमुना

[signature]
(विभागाध्यक्ष)

[signature]
Principal
M.G Govt. Arts & Science College
KHARSIA (Dist. - Raigarh) C.G.

04/08/2026 13:52

वक्ता

(1) ताराचंद – जीवन परिचय रचनाएँ
'साकेत' प्रेम, भारतीय संस्कृति के रचयिता

(2) शालिनी – 'साकेत'
विरह – उर्मिला-अयोध्या, उर्मिला के त्याग
और विरह का मार्मिक चित्रण।

(3) आरती राठिया – जीवन परिचय,
78 वर्ष की अवस्था में हार्ट अटैक से
मृत्यु, राष्ट्रीय प्रमुख काव्य,
तीन भाग – काव्य, नाटक, अनूदित साहित्य
राष्ट्र प्रेम, सामाजिक जागरण

(4) ~~भारती साहू~~ –
(5) प्रकाश वारे – 'साकेत'
प्रकाशन 1931, रामकथा को नए
दृष्टिकोण में प्रस्तुत, भाषा खड़ी बोली
समाज के लिए, नारी सम्मान का महत्व

(5) कुसुम पटेल – जीवन परिचय
देश प्रेम, मानवतावाद नारी-सम्मान
साकेत और यशोधरा में नारी को
नए रूप में,

(6) डॉ. आर. के. टण्डन – 'जीवन-परिचय'
साकेत, भारत-भारती

आभार – भारती साहू

H.O.D. Hindi

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
KHARSIA (Dist. - Raigarh) C.G

Signature..........

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4h6+gww, Raigad Road, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.97877° Long 83.11248°
Monday, 03/08/2026 01:58 PM GMT +05:30
Google

खबर-खास

महाविद्यालय खरसिया के हिंदी विभाग में मनाया गया 'कवि दिवस', राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को किया नमन

संवाद समृद्धि पथ / वीपीएम

खरसिया। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती के अवसर पर शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरसिया के हिंदी विभाग द्वारा सोमवार को 'कवि दिवस' सादगीपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग के डॉ. आर. के. टंडन के संयोजन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं भारती, जमुना एवं कुसुम ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर वातावरण को देशभक्ति और सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर डॉ. आर. के. टंडन ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनकी प्रसिद्ध कृति 'भारत-भारती' वर्ष 1912-13 में प्रकाशित हुई थी। इस कृति से प्रेरित होकर महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रकवि' की उपाधि दी थी। उन्होंने बताया कि महावीर प्रसाद द्विवेदी उनके साहित्यिक गुरु थे तथा साहित्य जगत में उन्हें प्रेमपूर्वक 'दद्दा' के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम में छात्र ताराचंद ने राष्ट्रकवि के जीवन परिचय एवं राष्ट्रप्रेम से जुड़े विचारों को साझा किया। छात्रा रागिनी धिरहे ने महाकाव्य 'साकेत' में उपेक्षित पात्र उर्मिला के विरह-वेदना के मार्मिक चित्रण पर अपने विचार रखे। मंच संचालन करते हुए छात्र आरथो राठिया ने गुप्त जी के जीवन, प्रथम काव्य 'रंग में भंग' तथा उनके साहित्यिक सफर की जानकारी दी। छात्र प्रकाश वारे ने 'साकेत' के माध्यम से त्याग, नारी सम्मान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों पर प्रकाश डाला, वहीं कुसुम पटैल ने 'साकेत' एवं 'यशोधरा' में नारी के सशक्त स्वरूप की चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में छात्रा भारती साहू ने सभी वक्ताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रीना साहू, आरती बरेठ, आरथो राठिया, ताराचंद, प्रकाश वारे, नीलकमल, निखिल दास महंत, प्रियंका श्रीवास, कुसुम पटैल, रागिनी धिरहे, जमुना एवं भारती साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य, राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों से परिचित कराना रहा।